महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा
दूर शिक्षा निदेशालय
सत्रीय कार्य- अनुवाद विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा(P.G. Diploma in Translation) मार्च- 2026

सत्रीय कार्य करने के दिशा निर्देश

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिए सत्रीय कार्य करना हैं। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर भेजी गई अध्ययन सामग्री के आधार पर ही देना है। कहीं-कहीं आपको अतिरिक्त पाठ्यसामग्री की सहायता लेनी पड़ सकती है। आप चाहें तो कार्यक्रम संयोजक की मदद पत्राचार, ई-मेल, दूरभाष माध्यम से ले सकते हैं।

सत्रीय कार्य शुरू करने से पूर्व आप निम्नलिखित बातों का ध्यान रखिए। यह आपके लिए उपयोगी होगा।

1.योजना: सत्रीय कार्यो को ध्यानपूर्वक पढ़िए। इनसे सम्बद्ध इकाईयों का दोबारा अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए प्रमुख मुद्दों को एक कागज पर नोट कीजिए। उसके बाद उन्हें क्रम दीजिए।

2.संगठन: अपने उत्तर की मोटी रूपरेखा बनाने से पहले अपना ध्यान कुछ मुद्दों पर केंद्रित कीजिए। और उनका विश्लेषण कीजिए। प्रस्तावना और सारांश पर विशेष ध्यान दीजिए।

क. उत्तर तर्क संगत और प्रवाहपूर्ण हो,

ख. वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो,

ग. आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति सटीक हो।

3. प्रस्तुति: अपने उत्तर से संतुष्ट होने पर इसका अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए। उत्तर साफ-साफ A-4 कागज पर लिखिए और जिन मुद्दो पर बल देना चाहते है उन्हें रेखांकित कीजिए। **सत्रीय कार्य की एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्य रूप से रखें।**

शुभकामनाओं के साथ,

(डॉ. शैलेश मरजी कदम)
पाठ्यक्रम संयोजक

सत्रीय कार्य/ अनुवाद कार्य / परियोजना कार्य भेजने की निर्धारित **अंतिम तिथि 31/05/2026 है। उक्त तिथि तक सत्रीय कार्य** अवश्य भेज दें। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त सत्रीय कार्य को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा।

पता, निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय,
पोस्ट:- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,गांधी हिल्स, वर्धा (महाराष्ट्र) 442001

निर्देश : प्रिय विद्यार्थी, सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए |

1.अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाहिने सिरे पर नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2.अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या अवश्य दीजिए।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा।

नामांकन संख्या : --------------------------------------

नाम : --

पता : --

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ----------------------------

सत्रीय कार्य कोड : ---------------------------------

दिनांक : ---

----

1. उत्तर के लिए केवल **A-4** साइज के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बांध लें।
2. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
3. अपनी लिखावट में उत्तर दें।
4. सत्रीय कार्य/ अनुवाद कार्य / परियोजना कार्य की उत्तर-पुस्तिका जॉच के लिए **सम्बंधित अध्ययन केन्द्रों** पर या वर्धा मुख्यालय में निम्नलिखित पते पर **दिनांक- 31/05/2026 तक** अवश्य भेज दें।

पता, निदेशक,

दूर शिक्षा निदेशालय,

पोस्ट:- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, पिन- 442001

सत्रीय कार्य - प्रथम सेमेस्टर

विषय : अनुवाद विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा , **विषय कोड :** पी.जी.डी.टी.

कुल अंक प्रति प्रश्न पत्र : **30** Total Marks each paper : **30 (10*3)**

प्रश्नपत्र-1. अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि, कुल क्रेडिट- 04 , **Subject Code :** PGDT- 01

सूचना- निम्न प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. अनुवाद के प्रकारों की विस्तार से चर्चा की जिए।
2. अनुवाद का अर्थ और स्वरुप विस्तार से स्पष्ट की जिए ।
3. अनुवाद की प्रक्रिया को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।
4. वर्तमान समय में अनुवाद के क्षेत्र में वृद्धि हुई है। उक्त कथन की सार्थकता को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।
5. अनुवाद की समस्याओं को सोदाहरण स्पष्ट की जिए।

प्रश्नपत्र- 2. अनुवाद का भाषिक और सामाजिक पक्ष, कुल क्रेडिट- 04 , **Subject Code :**PGDT- 02

सूचना- निम्न प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. भाषा की व्याख्या देकर उसके संदर्भ में विभिन्न विद्वानों के विचारों की चर्चा कीजिए।
2. शब्द निर्माण और शब्द रचना को विस्तार से स्पष्ट की जिए।
3. अनुवाद के भाषिक महत्त्व को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।
4. अनुवाद के सामाजिक महत्त्व को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।
5. भाषा शिक्षण में अनुवाद किस प्रकार अपनी भूमिका का निर्वहन करता है? विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न पत्र -3. प्रायोगिक कार्य / अनुवाद कार्य, कुल क्रेडिट- 08, **Subject Code :**PGDT- 03

अनुवाद कार्य करने हेतु दिशा निर्देश

भाषा चयन - स्रोत भाषा- विद्यार्थी द्वारा अंग्रेजी तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लेखित किसी भारतीय भाषा (हिंदी को छोड़कर) का चयन किया जा सकता है ।

लक्ष्य भाषा- हिंदी- विद्यार्थी को अनुवाद कार्य के लिए 50 पृष्ठ के पाठ का चयन करना होगा, जिसका हिंदी में अनुवाद न हुआ हो । विद्यार्थी को उपरोक्त समस्त बिंदुओं के अंतर्गत अनुवाद कार्य करना अनिवार्य होगा । विद्यार्थी को मानव साधित अनुवाद करना होगा । विद्यार्थी को इस प्रश्न पत्र में अनुवाद से संबंधित समस्याओं, चुनोटियों एवं उनके निराकरण हेतु अपनी गई रणनीति, प्रविधि एवं अधिगमों पर टिप्पणी कम से कम 2000 शब्दों में करनी होगी । मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत किए जाने वाले अनूदित पाठ के साथ विद्यार्थी द्वारा इस आशय का घोषणा पत्र/ प्रमाण पत्र संलग्न किया जाएगा कि अनुवाद कार्य विद्यार्थी द्वारा स्वयं और मानव साधित पद्धति से किया गया है तथा कहीं भी प्रकाशित नहीं है।

सत्रीय कार्य- द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र- 1. व्यावहारिक अनुवाद के विविध स्तर और क्षेत्र, कुल क्रेडिट- 04 **Subject Code :**PGDT- 04

सूचना-निम्न प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. अनुवाद में विभिन्न प्रकार के कोशों की उपयोगिता को विस्तार से समझाइए।
2. अनुवाद प्रक्रिया में वाक्य संरचना के विश्लेषण की प्रक्रिया को सोदाहरण समझाइए।
3. हिंदी से अंग्रेज़ी अनुवाद के संदर्भ में पर्याय चयन की उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।
4. साहित्यक अनुवाद की संकल्पना स्पष्ट करते हुए साहित्यक अनुवाद के विविध पक्षों की विस्तृत चर्चा कीजिए।
5. अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद की प्रविधि पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्रश्नपत्र- 2. प्रशासनिक अनुवाद, कुल क्रेडिट- 04 **Subject Code :**PGDT- 05

सूचना-निम्न प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. प्रशासनिक अनुवाद और के महत्व को स्पष्ट की जिए।
2. प्रशासनिक कार्य में अनुवाद की भूमिका को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।
3. प्रशासनिक अनुवाद करते समय अनुवादक किस तरह की चुनौतियों का सामना करना होता है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
4. टिप्पणी किसे कहते है? टिप्पणी के विभिन्न प्रकारों की चर्चा कर उदाहरण दीजिए।
5. बैंकिंग सामग्री का अनुवाद करते समय आनेवाली समस्याओं विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्रश्न पत्र -3. परियोजना कार्य , कुल क्रेडिट- 08, **Subject Code :**PGDT- 06

परियोजना कार्य करने हेतु दिशा निर्देश

भाषा चयन- स्रोत भाषा विद्यार्थी द्वारा अंग्रेजी तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लेखित किसी भारतीय भाषा (हिंदी को छोड़कर) का चयन किया जा सकता है। विद्यार्थी को अनुवाद कार्य के लिए 50 पृष्ठ के पाठ का चयन करना होगा, जिसका हिंदी में अनुवाद न हुआ हो।

लक्ष्य भाषा- हिन्दी - विद्यार्थी को अनुवाद कार्य के लिए एक प्रस्ताव बनाकर निदेशालय में प्रस्तुत करना होगा। विद्यार्थी द्वारा अनुवाद परियोजना हेतु प्रस्ताव में निम्नलिखित बिंदुओं को शामिल करना अनिवार्य होगा।

1. प्रस्तावित चयनित पाठ का शीर्षक, चयनित पाठ का संक्षिप्त परिचय, प्रस्तावित अनुवाद का उद्देश्य, पाठ की प्रकृति और उपादेयता, अनुवाद की पद्धति, प्रक्रिया, रणनीति,कार्यनीति, साधन आदि।

2. अनूदित पाठ से अपेक्षाएं- विद्यार्थी को मानव साधित अनुवाद करना होगा। विद्यार्थी को अनुवाद परियोजना में अनुवाद से संबंधित समस्याओं, चुनौतियों एवं उनके निराकरण हेतु अपनायी गयी रणनीति, प्रविधि एवं टिप्पणी कम से कम 2000 शब्दों में करनी होगी। मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत किए जाने वाले अनूदित पाठ के साथ विद्यार्थी द्वारा इस आशय का घोषणा पत्र/ प्रमाण पत्र संलग्न किया जाएगा कि अनुवाद कार्य विद्यार्थी द्वारा स्वयं और मानव साधित पद्धति से किया गया है तथा कहीं भी प्रकाशित नहीं है। परियोजना कार्य कुल 6 क्रेडिट का होगा और उसके मूल्यांकन हेतु आयोजित मौखिक की 2 क्रेडिट की होगी।

संयोजक
डॉ. शैलेश मरजी कदम ,
पाठ्यक्रम संयोजक